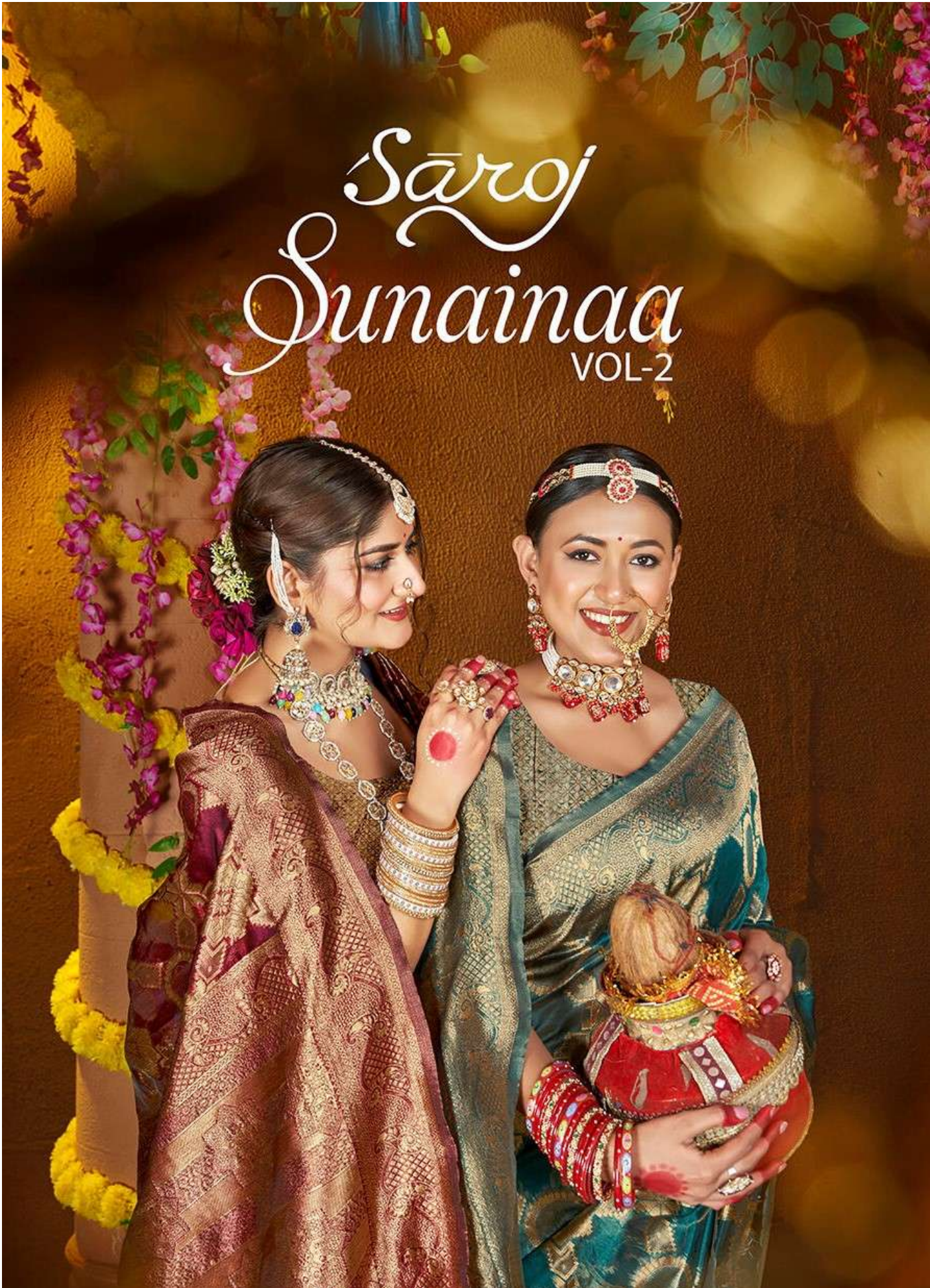


Saroj Sunaina

VOL-2



Saroj

जो न कभी हर्षित होता है, न द्वेष करता है,
न शोक करता है, न कामना करता है
तथा जो शुभ और अशुभ सम्पूर्ण कर्मों का त्यागी है-
वह भक्तियुक्त पुरुष मुझको प्रिय है ।



1001

1002

1003

1004

1005

1006

1007

1008



1001



1002



1003



1004



1005



1006



1007



1008